JULY 2026
THE NEWSLETTER
Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972
NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

Desh Bhagat University mobilizes students for a drug-free future

The Faculty of Pharmacy at Desh Bhagat University organized a one-day awareness programme to commemorate the International Day Against Drug Abuse and Illicit Trafficking. The event, held in the Smart Classroom, followed the global theme: "World Drug Problem: Persisting Issues, New Challenges, and Innovative Responses."

The awareness drive was jointly arranged by the Placebo Club and Red Ribbon Club, in collaboration with the Institution's Innovation Council (IIC) and the Internal Quality Assurance Cell (IQAC). Mr. Imanshu coordinated the programme.

Chancellor Dr. Zora Singh, Dr. Tajinder Kaur Pro-Chancellor and Vice-Chancellor Dr. Harsh Sadawarti lauded the Faculty of Pharmacy for taking the initiative.

Speakers warned about the growing threat of drug abuse and emerging psychoactive substances, and stressed the need for prevention, early intervention, counselling, rehabilitation, and strong community engagement. Students actively participated in a poster exhibition highlighting the physical, psychological, social, and economic harms of substance abuse, mental-health issues, rehabilitation services, and measures to combat illicit trafficking. An interactive awareness session informed attendees about causes, consequences, prevention strategies, treatment options, and the role of families and communities in supporting recovery. The programme also included an awareness rally led by students and faculty.

The event concluded with a collective pledge by students, faculty, and guests to work together toward a healthier, safer, and drug-free society. Organizers said the drive reinforced the message that addressing the global drug problem requires innovation, collaboration, and sustained public awareness.

देश भगत विश्वविद्यालय ने नशामुक्त भविष्य के लिए विद्यार्थियों को किया जागरूक

सामाजिक उत्तरदायित्व तथा युवा सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए देश भगत विश्वविद्यालय के औषधि विज्ञान संकाय ने मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। स्मार्ट कक्षा में आयोजित इस कार्यक्रम का विषय था – ''विश्व मादक द्रव्य समस्या: निरंतर बनी चुनौतियाँ, नई समस्याएँ एवं नवाचारपूर्ण समाधान।''

यह जागरूकता अभियान प्लेसीबो क्लब एवं रेड रिबन क्लब द्वारा संस्थान की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्री इमांशु ने किया।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह, प्रो–चांसलर डॉ. तजिंदर कौर तथा कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती ने औषधि विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित इस जागरूकता अभियान की सराहना की।

वक्ताओं ने नशीले पदार्थों के बढ़ते दुरुपयोग तथा उभरते मनःप्रभावी रासायनिक पदार्थों के बढ़ते खतरे पर चिंता व्यक्त करते हुए रोकथाम, प्रारंभिक हस्तक्षेप, परामर्श, पुनर्वास तथा जनसहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया।

औषधि विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से मादक पदार्थों के सेवन से होने वाली शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक हानियों, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों, पुनर्वास सेवाओं तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण के उपायों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी को उसके स्पष्ट एवं जनजागरूकता बढ़ाने वाले संदेशों के लिए सराहा गया।

संवादात्मक जागरूकता सत्र के दौरान प्रतिभागियों को नशे के कारणों, उसके दुष्परिणामों, बचाव के उपायों, उपचार की उपलब्ध सुविधाओं तथा नशा मुक्ति में परिवार एवं समाज की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों से समाज में जागरूकता फैलाने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और दूसरों को प्रेरित करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने एक जागरूकता रैली भी निकाली।

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972
NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

Desh Bhagat University and Geduconnect Host Leadership Summit 2026; 12 MoUs inked

Desh Bhagat University (DBU) Wrestling Coach Mr. Mandeep has been appointed as the Joint Secretary of the Punjab Grappling Committee, a recognition of his dedication, commitment, and valuable contributions towards the growth and development of grappling sports in Punjab.

The appointment, which came into effect on May 27, 2026, reflects the committee's confidence in Mr. Mandeep's leadership abilities and his continuous efforts to support athletes, coaches, and the broader grappling community. In his new role, he will work closely with committee members to strengthen organizational operations and expand opportunities for grappling athletes across the state.

As Joint Secretary, Mr. Mandeep will assist in the coordination of committee activities and initiatives, organization of championships, training camps, and sporting events, promotion and development of grappling sports across Punjab, coordination with athletes, districts, and stakeholders, as well as handling various administrative and official responsibilities of the committee.

The appointment comes at a significant time as the Punjab Grappling Committee continues its mission to promote excellence in grappling and create greater opportunities for participation, competition, and talent development throughout the state.

Mr. Akshay Tiwari, President of the Punjab Grappling Committee, welcomed the appointment and emphasized the committee's commitment to strengthening its organizational structure and advancing the sport at both grassroots and competitive levels. The committee leadership expressed confidence that Mr. Mandeep's experience, enthusiasm, and commitment will contribute significantly to the continued growth and success of grappling in Punjab.

On this achievement, Dr. Zora Singh, Chancellor of Desh Bhagat University, and Dr. Tejinder Kaur, Pro-Chancellor, congratulated Mr. Mandeep on his appointment. They lauded his dedication to sports development and expressed confidence that he would make meaningful contributions to the promotion of grappling and the welfare of athletes across the state.

देश भगत विश्वविद्यालय शिखर सम्मेलन – 2026, 246 प्रतिनिधियों ने लिया भाग, 12 समझौता ज्ञापनों पर हुए हस्ताक्षर

देश भगत विश्वविद्यालय ने जी एडूकनेक्ट के सहयोग से डीबीयूदृआईसीसी नेतृत्व शिखर सम्मेलनदृ2026 का सफल आयोजन किया। इस सम्मेलन में देशभर से लगभग 246 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें अध्ययन केंद्रों के प्रमुख, शैक्षणिक नेतृत्वकर्ता, शिक्षा उद्यमी, उद्योग विशेषज्ञ तथा विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ प्रशासक शामिल थे। सम्मेलन के दौरान 12 नए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय शैक्षणिक नेटवर्क तथा रणनीतिक साझेदारियों को और अधिक सुदृढ़ता प्राप्त हुई।

इस कार्यक्रम का आयोजन कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह, प्रो–कुलाधिपति डॉ. तजिंदर कौर, अध्यक्ष डॉ. संदीप सिंह तथा कुलपति प्रो. (डॉ.) हर्ष सदावर्ती के दूरदर्शी मार्गदर्शन में किया गया।

यह सम्मेलन उच्च शिक्षा में शैक्षणिक उत्कृष्टता, नेतृत्व, नवाचार, संस्थागत सहयोग तथा डिजिटल परिवर्तन को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ। देशभर के 166 से अधिक अध्ययन केंद्रों के प्रतिनिधियों ने इसमें सहभागिता की, जो गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ शिक्षा के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. (डॉ.) हर्ष सदावर्ती ने मुख्य संरक्षक के रूप में गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। विशिष्ट अतिथियों में श्री संदीप शर्मा, संस्थापक एवं अध्यक्ष, जी एडूकनेक्ट, जयपुर तथा श्री दिनेश शर्मा, सलाहकार (रणनीति एवं विक्रय), देश भगत विश्वविद्यालय सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, प्राध्यापक, परामर्शदाता एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य वक्तव्य देते हुए प्रो. (डॉ.) हर्ष सदावर्ती ने नवाचार, अनुसंधान, वैश्विक सहभागिता, प्रौद्योगिकी–आधारित शिक्षण तथा नेतृत्व–आधारित संस्थागत विकास के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने की विश्वविद्यालय की दूरदर्शी सोच को प्रस्तुत किया।

सम्मेलन के दौरान देश भगत विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रमों, एनएएसी 'ए' मान्यता प्राप्त शैक्षणिक व्यवस्था, ऑनलाइन शिक्षा पहलों, डिजिटल शिक्षण प्रणाली, अनुसंधान अवसरों तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोगों पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दी गईं। श्री संदीप शर्मा एवं श्री दिनेश शर्मा ने शिक्षा नेतृत्व, रणनीतिक साझेदारी, प्रवेश प्रक्रिया, संस्थागत विकास तथा अध्ययन केंद्रों के लिए भविष्य की संभावनाओं पर विशेष सत्रों को संबोधित किया।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण देश के विभिन्न क्षेत्रों के शैक्षणिक साझेदारों के साथ 12 नए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का औपचारिक निष्पादन रहा, जिसका उद्देश्य सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की पहुँच का विस्तार करना है।

सम्मेलन के अंतर्गत पुरस्कार एवं सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें उत्कृष्ट अध्ययन केंद्रों, विश्वविद्यालय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शैक्षणिक विकास तथा संस्थागत प्रगति में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। 166 से अधिक अध्ययन केंद्र प्रमुखों को स्मृति–चिह्न एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान किए गए।

समापन समारोह पर विश्वविद्यालय ने सुदृढ़ शैक्षणिक साझेदारियों को विकसित करने, नवाचार को बढ़ावा देने तथा भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप सक्षम स्नातकों का निर्माण करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972
NAAC GRADE A+ ACCREDITED UNIVERSITY

DBU launches Centre for Advanced Data Analytics to strengthen Research Excellence

Desh Bhagat University (DBU) inaugurated the Centre for Advanced Data Analytics (CADA) under its Research Cell, marking a major step to strengthen the university's research ecosystem and support evidence-based scholarship across disciplines.

The Centre was formally opened by Vice Chancellor Dr. Harsh Sadawarti in the presence of Prof. (Dr.) Gurdip Singh Batra, Pro Vice Chancellor (Research & Development), who described CADA as a significant milestone in enhancing the quality, credibility and global impact of research at the University.

Dr. Harsh Sadawarti said data-driven research is now the cornerstone of high-quality academic publications worldwide. "Modern research demands scientifically validated analysis, accurate interpretation and the application of advanced statistical techniques," he noted. "CADA will equip our researchers to produce rigorous, evidence-based work and improve the University's presence in Scopus-indexed and other reputed international journals." He congratulated the Research Cell for this initiative and urged faculty and research scholars to fully utilize the Centre's facilities.

Prof. (Dr.) Gurdip Singh Batra outlined the Centre's role in providing comprehensive analytical support across disciplines. "Researchers will receive assistance in research design, statistical analysis, interpretation, data visualization and the use of advanced analytical tools on both commercial and open-source platforms, including Python," he said. He added that CADA will foster interdisciplinary research through predictive modelling, machine learning and advanced statistical techniques, thereby enhancing the international acceptance and impact of DBU research.

Dr. Zora Singh, Chancellor, and Dr. Tajinder Kaur, Pro-Chancellor of DBU, lauded the launch of the Centre for Advanced Data Analytics as a major initiative to enhance research excellence and foster advanced data-driven innovation.

CADA will serve Ph.D. scholars, postgraduate students preparing dissertations, faculty members and principal investigators of funded projects. Services include expert guidance in dataset preparation, selection of appropriate statistical methods, data analysis, interpretation of results and presentation of findings in line with international standards.

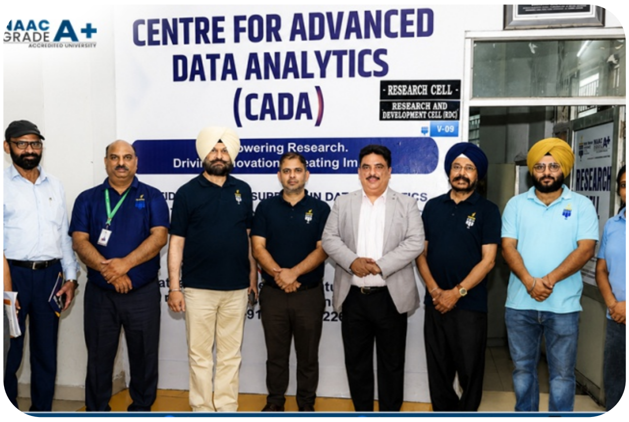

देश भगत विश्वविद्यालय ने अनुसंधान उत्कृटता को सशक्त बनाने के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण केंद्र की स्थापना की

देश भगत विश्वविद्यालय (डीबीयू) ने अपने अनुसंधान प्रकोष्ठ के अंतर्गत उन्नत डेटा विश्लेषण केंद्र (सेंटर फॉर एडवांस्ड डेटा एनालिटिक्सदृसीएडीए) का शुभारंभ किया। यह पहल विश्वविद्यालय के अनुसंधान तंत्र को सुदृढ़ करने तथा विभिन्न विषयों में प्रमाण–आधारित अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्र का औपचारिक उद्घाटन कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती ने किया। इस अवसर पर अनुसंधान एवं विकास के प्रति–कुलपति प्रो. (डॉ.) गुरदीप सिंह बत्रा भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सीएडीए की स्थापना विश्वविद्यालय में अनुसंधान की गुणवत्ता, विश्वसनीयता तथा वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

डॉ. हर्ष सदावर्ती ने कहा कि वर्तमान समय में डेटा–आधारित अनुसंधान विश्वभर में उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक प्रकाशनों की आधारशिला बन चुका है। उन्होंने कहा, "आधुनिक अनुसंधान के लिए वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित विश्लेषण, सटीक व्याख्या तथा उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग अनिवार्य है। सीएडीए हमारे शोधकर्ताओं को कठोर, प्रमाण–आधारित अनुसंधान करने में सक्षम बनाएगा तथा विश्वविद्यालय की उपस्थिति स्कोपस–सूचीबद्ध और अन्य प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में सशक्त करेगा।" उन्होंने इस पहल के लिए अनुसंधान प्रकोष्ठ को बधाई दी तथा शिक्षकों एवं शोधार्थियों से केंद्र की सुविधाओं का अधिकतम उपयोग करने का आग्रह किया।

प्रो. (डॉ.) गुरदीप सिंह बत्रा ने बताया कि यह केंद्र विभिन्न विषयों के शोधकर्ताओं को व्यापक विश्लेषणात्मक सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने कहा, "शोधकर्ताओं को अनुसंधान रूपरेखा तैयार करने, सांख्यिकीय विश्लेषण, परिणामों की व्याख्या, डेटा का दृश्य प्रस्तुतीकरण तथा व्यावसायिक एवं मुक्त स्रोत आधारित उन्नत विश्लेषणात्मक साधनों, जिनमें पाइथन भी शामिल है, के उपयोग में विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।" उन्होंने कहा कि सीएडीए भविष्यवाणी आधारित मॉडलिंग, मशीन लर्निंग तथा उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों के माध्यम से अंतर्विषयक अनुसंधान को प्रोत्साहित करेगा, जिससे विश्वविद्यालय के अनुसंधान की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता और प्रभाव में वृद्धि होगी।

डॉ. जोरा सिंह, कुलाधिपति, तथा डॉ. तजिंदर कौर, प्रो–कुलाधिपति, डीबीयू ने सेंटर फॉर एडवांस्ड डेटा एनालिटिक्स की स्थापना को अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और उन्नत डेटा–आधारित नवाचार को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

यह केंद्र पीएच.डी. शोधार्थियों, शोध–प्रबंध तैयार कर रहे स्नातकोत्तर विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं के प्रमुख अन्वेषकों को सेवाएं प्रदान करेगा। केंद्र में शोधकर्ताओं को डेटा संकलन एवं तैयारी, उपयुक्त सांख्यिकीय विधियों के चयन, डेटा विश्लेषण, परिणामों की व्याख्या तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शोध निष्कर्ष प्रस्तुत करने में विशेषज्ञ सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

उद्घाटन समारोह में अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स के डीन डॉ. अजय बत्ता, निदेशक (शैक्षणिक) डॉ. नवीन ठाकुर, सहायक डीन (शैक्षणिक कार्य) डॉ. जी. पी. एस. बख्शी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. परवीन कुमार, कृषि विद्यालय के निदेशक डॉ. एच. के. सिद्धू, शिक्षा संकाय की निदेशक डॉ. प्रेशियस श्योराण, मानव संसाधन प्रबंधक श्री नरेश कुमार, सहायक निदेशक (मीडिया) श्री अवतार सिंह, विभिन्न संकायों एवं विभागों के निदेशक, शिक्षकगण तथा विश्वविद्यालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने सीएडीए को विश्वविद्यालय की अनुसंधान अधोसंरचना में एक महत्वपूर्ण और उपयोगी उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह केंद्र डेटा विश्लेषण और सांख्यिकीय मॉडलिंग के क्षेत्र में विशेषज्ञ सहयोग प्रदान करेगा तथा नवाचार, उच्च गुणवत्ता और प्रभावशाली अनुसंधान को नई दिशा देगा।

Desh Bhagat Hospital & Desh Bhagat Ayurvedic Hospital Organise Two-Day Free Health Check-up Camp

Desh Bhagat Hospital and Desh Bhagat Ayurvedic Hospital successfully organised a two-day Free Health Check-up Camp at Gurudwara Chevein Patshahi Sahib, Village Sounti. Held under the guidance of Hon'ble Chancellor Dr. Zora Singh and Hon'ble Pro Chancellor Dr. Tejinder Kaur, the camp benefited around 550 patients from Sounti and nearby villages.

The camp provided free specialist consultations, haemoglobin (Hb) and blood sugar tests, free medicines, eye check-ups, and dental check-ups. Specialist doctors, consultants, paramedical staff, and students from the School of Nursing and Dental Department actively participated, while the nursing team also spread awareness about preventive healthcare and healthy living.

The camp was coordinated by Dr. Kulbushan, Director Campus, DBAC&H, and Dr. Jyoti H. Dhami, Medical Superintendent, Desh Bhagat Hospital & DBAC&H.

On the occasion, the Organizing Committee of Gurudwara Chevein Patshahi honoured Chancellor Dr. Zora Singh and Pro Chancellor Dr. Tejinder Kaur for their outstanding contribution to community welfare through free medical services. The Gurdwara Management Committee also appreciated the dedicated efforts of the entire medical team, reaffirming Desh Bhagat University's commitment to providing accessible and quality healthcare to society.

देश भगत अस्पताल एवं देश भगत आयुर्वेदिक अस्पताल द्वारा दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

देश भगत अस्पताल एवं देश भगत आयुर्वेदिक अस्पताल द्वारा गांव सौंटी स्थित गुरुद्वारा छठी पातशाही साहिब में दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। माननीय चांसलर डॉ. जोरा सिंह तथा प्रो–चांसलर डॉ. तेजिंदर कौर के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर का लाभ गांव सौंटी एवं आसपास के क्षेत्रों के लगभग 550 मरीजों ने उठाया।

शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श प्रदान किया गया। इसके अलावा हीमोग्लोबिन (एचबी) एवं ब्लड शुगर की जांच,निःशुल्क दवाइयों का वितरण, नेत्र जांच तथा दंत परीक्षण जैसी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। विशेषज्ञ चिकित्सकों, परामर्शदाताओं, पैरामेडिकल स्टाफ तथा स्कूल ऑफ नर्सिंग एवं डेंटल विभाग के विद्यार्थियों ने शिविर में सक्रिय रूप से भाग लिया। वहीं, नर्सिंग टीम ने लोगों को निवारक स्वास्थ्य देखभाल तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक किया।

शिविर का समन्वय डीबीएसी एंड एच के कैंपस निदेशक डॉ. कुलभूषण तथा देश भगत अस्पताल एवं डीबीएसी एंड एच की मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. ज्योति एच. धामी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर गुरुद्वारा छठी पातशाही साहिब की प्रबंधक समिति ने चांसलर डॉ. जोरा सिंह एवं प्रो–चांसलर डॉ. तेजिंदर कौर को निःशुल्क चिकित्सा सेवाओं के माध्यम से समाज कल्याण में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया। साथ ही, गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने पूरी मेडिकल टीम के समर्पित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल ने देश भगत यूनिवर्सिटी की समाज को सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ किया है।

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972
NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

BU Chancellor Dr Zora Singh Honoured at World Book of Records Summit in UK Parliament

Desh Bhagat University proudly announces that its Hon'ble Chancellor, Dr. Zora Singh, was honoured during the prestigious 10th World Book of Records (WBR) Summit & Award Ceremony held at the UK Parliament, London.

The landmark summit brought together delegates and distinguished personalities from India, the United Kingdom, the United States, Canada, Australia, the UAE, France, Switzerland, Scotland, Ireland, Nepal, Greece, Poland, Bulgaria, and several other countries to celebrate excellence in leadership, education, innovation, social service, entrepreneurship, healthcare, science, finance, wellness, arts and public service.

The event also marked the launch of the World Record Holders Association, a global platform designed to connect record holders, innovators, researchers, and changemakers while promoting international collaboration across disciplines and borders.

Dr. Zora Singh was recognised for his outstanding contribution to higher education and his visionary leadership in advancing quality education, innovation, research, skill development, and global academic partnerships. During the summit, he also interacted with the international audience, sharing his vision of creating globally competent graduates and strengthening international collaboration in higher education.

The organisers described the summit as a powerful testament to the unifying force of achievement and an opportunity to celebrate individuals whose dedication and vision continue to create a meaningful impact on society.

This prestigious international recognition is a proud milestone for Desh Bhagat University, reaffirming its growing global presence and unwavering commitment to academic excellence, innovation, and international engagement.

"A proud moment for Desh Bhagat University as its vision of global excellence receives recognition on one of the world's most prestigious platforms—the UK Parliament."

देश भगत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डा. जोरा सिंह को ब्रिटेन की संसद में किया गया सम्मानित

देश भगत विश्वविद्यालय को यह घोषणा करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि उसके माननीय कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह को लंदन स्थित ब्रिटेन की संसद में आयोजित प्रतिष्ठित 10वें वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (डब्ल्यूबीआर) शिखर सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया।

इस ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन में भारत, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, स्कॉटलैंड, आयरलैंड, नेपाल, ग्रीस, पोलैंड, बुल्गारिया तथा अनेक अन्य देशों से आए प्रतिनिधियों एवं विशिष्ट व्यक्तित्वों ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य नेतृत्व, शिक्षा, नवाचार, सामाजिक सेवा, उद्यमिता, स्वास्थ्य सेवा, विज्ञान, वित्त, आरोग्य, कला तथा लोकसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान का सम्मान करना था।

इस अवसर पर वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर्स एसोसिएशन का भी शुभारंभ किया गया, जो विश्वभर के रिकॉर्ड धारकों, नवप्रवर्तकों, शोधकर्ताओं तथा परिवर्तन के अग्रदूतों को एक साझा मंच पर जोड़ते हुए विभिन्न क्षेत्रों एवं देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करेगा।

डॉ. जोरा सिंह को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास और वैश्विक शैक्षणिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाले उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया। शिखर सम्मेलन के दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए वैश्विक स्तर पर सक्षम स्नातकों के निर्माण तथा उच्च शिक्षा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और सुदृढ़ करने संबंधी अपना दृष्टिकोण भी साझा किया।

आयोजकों ने इस शिखर सम्मेलन को उपलब्धियों की एकता का सशक्त प्रतीक बताते हुए कहा कि यह उन व्यक्तित्वों का सम्मान करने का अवसर है, जिनकी निष्ठा, समर्पण और दूरदृष्टि समाज पर निरंतर सकारात्मक एवं सार्थक प्रभाव डाल रही है।

यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मान देश भगत विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि है, जो उसकी बढ़ती वैश्विक पहचान तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहभागिता के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करता है।

"देश भगत विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है कि वैश्विक उत्कृष्टता के उसके संकल्प को विश्व के सबसे प्रतिष्ठित मंचों में से एक – ब्रिटेन की संसद में अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है।"

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972
NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

DBU and CMA Ink MoU for Research, Mentorship and Future-Ready Learning

In a significant step towards strengthening academia-industry collaboration, Desh Bhagat University (DBU) and the Chandigarh Management Association (CMA) signed a Memorandum of Understanding (MoU) to promote research, mentorship, innovation, and industry-driven education.

The MoU was formally signed by Dr. Zora Singh, Chancellor, Desh Bhagat University, and Dr. Tajinder Kaur, Pro-Chancellor, Desh Bhagat University, in the presence of Dr. Tulika Mehta, CEO, Technology Business Incubator (TBI), DBU. Representing the Chandigarh Management Association were Er. Abhishek Gupta, President, CMA, and Dr. Navjot Kaur, General Secretary, CMA, along with other office bearers of the association.

The collaboration aims to create a dynamic platform for academic excellence, innovation, and industry engagement through a range of joint initiatives. Under the MoU, both organisations will work together on collaborative research projects, promote knowledge-sharing, establish mentorship programmes connecting students and young entrepreneurs with experienced industry professionals, and develop industry-led courses aligned with emerging market needs in association with CMA member organisations.

Speaking on the occasion, Dr. Zora Singh, Chancellor of Desh Bhagat University, said that the partnership marks a significant milestone in bridging the gap between academia and industry. He emphasized that the collaboration will equip students with practical knowledge, industry exposure, and experiential learning opportunities, enabling them to become future-ready professionals and innovators.

Dr. Tajinder Kaur, Pro-Chancellor, highlighted that the University remains committed to building meaningful partnerships with professional bodies to enrich academic programmes and foster a culture of research, entrepreneurship, and innovation among students and faculty.

Addressing the gathering, Er. Abhishek Gupta, President of the Chandigarh Management Association, said that the collaboration reflects CMA's commitment to nurturing talent and promoting innovation by connecting educational institutions with the wider industry ecosystem. He expressed confidence that the partnership would create valuable opportunities for students, researchers, entrepreneurs, and industry experts to collaborate on impactful initiatives.

Both institutions expressed confidence that the MoU would pave the way for long-term cooperation in research, skill development, innovation, entrepreneurship, and industry-academia engagement, thereby contributing to the development of a highly skilled and future-ready workforce.

Among those present on the occasion were Dr. Jatinder Pal Singh Sehdev, Vice President, CMA; S. Sukhwinder Singh Bhatia, Joint Secretary, CMA; Sukhwinder Uppal, Immediate Past President, CMA; Dr. Labh Singh; along with other distinguished members and office bearers of the Chandigarh Management Association.

डीबीयू और सीएमए ने अनुसंधान, मार्गदर्शन एवं उद्योग–आधारित शिक्षा को सुदृढ़ करने हेतु किया समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर

शिक्षा एवं उद्योग के मध्य सहयोग को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए देश भगत विश्वविद्यालय (डीबीयू) तथा चंडीगढ़ मैनेजमेंट एसोसिएशन (सीएमए) ने अनुसंधान, मार्गदर्शन, नवाचार तथा उद्योग–आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन पर देश भगत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह तथा प्रो–चांसलर डॉ. तजिंदर कौर ने औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर (टीबीआई), डीबीयू की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. तुलिका मेहता उपस्थित रहीं। चंडीगढ़ मैनेजमेंट एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष इंजी. अभिषेक गुप्ता, महासचिव डॉ. नवजोत कौर तथा एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी भी समारोह में मौजूद रहे।

इस सहयोग का उद्देश्य विभिन्न संयुक्त पहलों के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार तथा उद्योग सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त मंच तैयार करना है। समझौता ज्ञापन के अंतर्गत दोनों संस्थान संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करेंगे, ज्ञान के आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करेंगे, विद्यार्थियों एवं युवा उद्यमियों को अनुभवी उद्योग विशेषज्ञों से जोड़ने हेतु मार्गदर्शन कार्यक्रम संचालित करेंगे तथा सीएमए से संबद्ध सदस्य संस्थाओं के सहयोग से उभरती औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप उद्योग–आधारित पाठ्यक्रम विकसित करेंगे।

इस अवसर पर देश भगत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह ने कहा कि यह साझेदारी शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इस सहयोग से विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान, औद्योगिक अनुभव तथा अनुभवात्मक शिक्षण के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों के लिए पूर्णतः तैयार पेशेवर एवं नवप्रवर्तक बन सकेंगे।

प्रो–चांसलर डॉ. तजिंदर कौर ने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव व्यावसायिक एवं पेशेवर संस्थाओं के साथ सार्थक साझेदारी स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है, ताकि शैक्षणिक कार्यक्रमों को और अधिक समृद्ध बनाया जा सके तथा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में अनुसंधान, उद्यमिता और नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहन मिल सके।

चंडीगढ़ मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष इंजी. अभिषेक गुप्ता ने कहा कि यह सहयोग प्रतिभाओं के विकास तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने की दिशा में सीएमए की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, उद्यमियों तथा उद्योग विशेषज्ञों को प्रभावशाली परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करने के लिए व्यापक अवसर प्रदान करेगी।

दोनों संस्थानों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह समझौता ज्ञापन अनुसंधान, कौशल विकास, नवाचार, उद्यमिता तथा शिक्षा–उद्योग सहयोग के क्षेत्र में दीर्घकालिक सहभागिता का मार्ग प्रशस्त करेगा और एक कुशल एवं भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

इस अवसर पर चंडीगढ़ मैनेजमेंट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ. जतिंदर पाल सिंह सहदेव, संयुक्त सचिव सरदार सुखविंदर सिंह भाटिया, तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष सुखविंदर उप्पल, डॉ. लभ सिंह सहित एसोसिएशन के अन्य गणमान्य सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972
NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

Desh Bhagat Global School Inspires Young Minds Through Entrepreneurship Lecture

To foster innovation and entrepreneurial thinking among students, Desh Bhagat Global School organised an inspiring Guest Lecture on "Entrepreneurship" for the students of Classes XI and XII.

The interactive session was delivered by Dr Rupinder Kaur, who provided valuable insights into the dynamic world of entrepreneurship, innovation, and business leadership. She encouraged students to develop a problem-solving mindset, identify emerging opportunities, and cultivate the confidence required to become successful entrepreneurs.

During her address, Dr. Rupinder Kaur highlighted the inspiring journeys of leading startups such as Zomato, BYJU'S, and Nykaa, while also emphasizing the immense potential of small businesses including boutiques, cafés, and technology service firms. She further explained the growing impact of social enterprises in sectors like education and healthcare, motivating students to think beyond conventional career choices and contribute positively to society.

Appreciating the informative and motivational session, Principal Ms. Indu Sharma thanked the guest speaker for encouraging students to embrace innovation, leadership, and self-employment. She emphasized that such initiatives help students develop the skills and confidence needed to become future job creators rather than job seekers.

School Chairman Dr. Zora Singh and General Secretary Dr. Tajinder Kaur reaffirmed the institution's commitment to providing holistic education by exposing students to real-world experiences that promote creativity, leadership, and self-reliance. They stated that entrepreneurship education plays a vital role in preparing young learners to meet future challenges with confidence and vision.

The session witnessed enthusiastic participation from the students, who actively interacted with the speaker and gained valuable knowledge about entrepreneurial opportunities, innovation, and the evolving business landscape

देश भगत ग्लोबल स्कूल ने उद्यमिता व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों में नवाचार की भावना का किया संचार

विद्यार्थियों में नवाचार, सृजनात्मक सोच तथा उद्यमिता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से देश भगत ग्लोबल स्कूल द्वारा कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए ''उद्यमिता'' विषय पर एक प्रेरणादायक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस संवादात्मक सत्र का संचालन डा रूपिंदर कौर ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उद्यमिता, नवाचार एवं व्यावसायिक नेतृत्व की बदलती दुनिया से परिचित कराते हुए समस्याओं के समाधान खोजने की सोच विकसित करने, नए अवसरों की पहचान करने तथा सफल उद्यमी बनने के लिए आवश्यक आत्मविश्वास विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

अपने संबोधन के दौरान डा. रूपिंदर कौर ने जोमैटो, बायजूज और नायका जैसे सफल स्टार्टअप्स की प्रेरणादायक सफलता की कहानियाँ साझा कीं। साथ ही उन्होंने बुटीक, कैफे तथा प्रौद्योगिकी सेवा कंपनियों जैसे लघु उद्यमों की अपार संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में सामाजिक उद्यमों की बढ़ती भूमिका का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को पारंपरिक करियर विकल्पों से आगे बढ़कर समाज के प्रति सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय की प्राचार्या सुश्री इंदु शर्मा ने इस ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक व्याख्यान के लिए अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में नवाचार, नेतृत्व क्षमता तथा स्वरोजगार के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल विद्यार्थियों को भविष्य में रोजगार तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले बनने के लिए आवश्यक कौशल एवं आत्मविश्वास प्रदान करती है।

विद्यालय के चेयरमैन डॉ. जोरा सिंह तथा महासचिव डॉ. तजिंदर कौर ने विद्यार्थियों को समग्र शिक्षा प्रदान करने की संस्था की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ने वाले ऐसे कार्यक्रम उनकी रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता एवं आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उद्यमिता शिक्षा युवा पीढ़ी को भविष्य की चुनौतियों का आत्मविश्वास एवं दूरदर्शिता के साथ सामना करने के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा वक्ता के साथ सक्रिय संवाद स्थापित कर उद्यमिता के अवसरों, नवाचार एवं बदलते व्यावसायिक परिदृश्य के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972
NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

Desh Bhagat University to Organise Mega Job Fair Kashmir-2026 in Srinagar

Reinforcing its commitment to creating meaningful employment opportunities for youth across the country, Desh Bhagat University (DBU), Punjab, in collaboration with the Nations Development Association (NDA), Cluster University Srinagar, MY Bharat J&K, NIELIT Srinagar, and Himalayan Club Trust, will organise the Mega Job Fair Kashmir 2026 on July 28, 2026, at Amar Singh College, Srinagar, from 9:00 AM to 4:00 PM.

The prestigious employment initiative will be graced by Shri Manoj Sinha, Hon'ble Lieutenant Governor of the Union Territory of Jammu & Kashmir, as the Chief Guest.

Announcing the event, Dr. Zora Singh, Chancellor, Desh Bhagat University, said that the university has always believed in empowering youth through quality education, skill development, and employment opportunities. He stated that the Mega Job Fair Kashmir 2026 reflects DBU's vision of connecting talented young professionals with leading employers and contributing to the socio-economic development of the region.

Dr. Tajinder Kaur, Pro-Chancellor, Desh Bhagat University, said that the university is committed to strengthening industry-academia collaboration by creating platforms where students and job seekers can directly interact with reputed organisations. She expressed confidence that the event would open new career avenues for thousands of aspiring professionals from Jammu & Kashmir and neighbouring regions.

Dr. Sandeep Singh, President, Desh Bhagat University, highlighted that DBU has consistently organised large-scale placement drives and industry engagement programmes across India. He said that the Kashmir Mega Job Fair is another milestone in the university's mission to bridge the gap between education and employment while fostering inclusive growth and youth empowerment.

Dr. Harsh Sadawarti, Vice-Chancellor, Desh Bhagat University, informed that the Mega Job Fair will witness the participation of numerous reputed companies from diverse sectors, offering employment opportunities to graduates, postgraduates, diploma holders, and skilled professionals. He encouraged eligible candidates to participate in large numbers and take advantage of this unique platform to build successful careers.

The organisers stated that the event aims to provide direct interaction between recruiters and job seekers, facilitate on-the-spot interviews, and promote skill-based employment. The initiative is expected to attract a large number of aspiring candidates from across Jammu & Kashmir, making it one of the region's significant employment events.

Desh Bhagat University has invited students, fresh graduates, and job seekers to participate enthusiastically in Mega Job Fair Kashmir 2026 and benefit from the diverse career opportunities being offered by leading employers under one roof. The event reflects the university's unwavering commitment to nation-building through education, innovation, entrepreneurship, and employment generation.

देश भगत विश्वविद्यालय श्रीनगर में आयोजित करेगा मेगा जॉब फेयर कश्मीर–2026

देशभर के युवाओं को सार्थक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए देश भगत विश्वविद्यालय (डीबीयू), पंजाब द्वारा नेशंस डेवलपमेंट एसोसिएशन (एनडीए), क्लस्टर विश्वविद्यालय श्रीनगर, माय भारत जम्मू–कश्मीर, एनआईईएलआईटी श्रीनगर तथा हिमालयन क्लब ट्रस्ट के सहयोग से मेगा जॉब फेयर कश्मीरदृ2026 का आयोजन मंगलवार, 28 जुलाई 2026 को अमर सिंह कॉलेज, श्रीनगर में प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक किया जाएगा।

इस प्रतिष्ठित रोजगार मेले में जम्मू–कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम की घोषणा करते हुए देश भगत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. जोरावर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि मेगा जॉब फेयर कश्मीरदृ2026 विश्वविद्यालय की उस दूरदर्शी सोच का प्रतीक है, जिसके माध्यम से प्रतिभाशाली युवाओं को देश की अग्रणी कंपनियों से जोड़कर क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में योगदान दिया जा रहा है।

देश भगत विश्वविद्यालय की प्रो–कुलाधिपति डॉ. तजिंदर कौर ने कहा कि विश्वविद्यालय उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों और रोजगार के इच्छुक युवाओं को प्रतिष्ठित संस्थानों एवं कंपनियों के साथ सीधे संवाद का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन जम्मू–कश्मीर तथा आसपास के क्षेत्रों के हजारों युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेगा।

देश भगत विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. संदीप सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय देशभर में समय–समय पर विशाल प्लेसमेंट ड्राइव एवं उद्योग सहभागिता कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। उन्होंने कहा कि मेगा जॉब फेयर कश्मीरदृ2026 शिक्षा और रोजगार के बीच की दूरी को कम करने, समावेशी विकास को बढ़ावा देने तथा युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण कदम है।

देश भगत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती ने बताया कि इस मेगा जॉब फेयर में विभिन्न क्षेत्रों की अनेक प्रतिष्ठित कंपनियाँ भाग लेंगी, जो स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा धारकों तथा कुशल युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने पात्र अभ्यर्थियों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाने का आह्वान किया।

आयोजकों के अनुसार इस रोजगार मेले का उद्देश्य नियोक्ताओं और रोजगार के इच्छुक युवाओं के बीच प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करना, ऑन–द–स्पॉट साक्षात्कार आयोजित करना तथा कौशल आधारित रोजगार को प्रोत्साहित करना है। यह आयोजन जम्मू–कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवाओं को आकर्षित करेगा और क्षेत्र के प्रमुख रोजगार आयोजनों में शामिल होगा।

देश भगत विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों, नवस्नातकों एवं रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं से मेगा जॉब फेयर कश्मीरदृ2026 में उत्साहपूर्वक भाग लेने और देश की अग्रणी कंपनियों द्वारा एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराए जा रहे विविध रोजगार अवसरों का लाभ उठाने की अपील की है। यह आयोजन शिक्षा, नवाचार, उद्यमिता और रोजगार सृजन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के प्रति विश्वविद्यालय की अटूट प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से प्रतिबिंबित करता है।

Theatre as a Force for Social Inspiration and Cultural Awareness; Dr. Zora Singh

Suchetak Rangmanch successfully staged the Punjabi play Waqt Tainu Slaam Hai, a powerful adaptation of the acclaimed work by C.T. Khanolkar, at the Tagore Theatre, Chandigarh.

The evening was graced by the distinguished presence of Dr. Zora Singh, Chancellor, Desh Bhagat University, and Dr. Tajinder Kaur, Pro-Chancellor, Desh Bhagat University, as the Chief Guests. Other dignitaries included Sh. Balmukand Sharma, Chairman, Punjab State Food Commission, and Mr. Gaurav Soni Botanic Healthcare, Guest of Honour. Their presence added prestige to the cultural event, and they appreciated the efforts of Suchetak Rangmanch in promoting meaningful theatre and preserving the rich tradition of Punjabi performing arts.

The play, directed by Anita Shabdeesh and adapted into Punjabi by Shabdeesh, captivated the audience with its compelling storyline, impactful performances, and thought-provoking message. The production received warm appreciation from theatre enthusiasts, artists, and dignitaries present at the event.

Addressing the gathering, Dr. Zora Singh lauded the dedication of the theatre group for using drama as a medium to inspire society and promote cultural awareness. Dr. Tajinder Kaur congratulated the entire team on presenting a socially relevant production and emphasized the importance of supporting theatre as a powerful medium of education and artistic expression.

The organizers expressed their gratitude to the Chief Guests, invited dignitaries, media representatives, patrons, and the audience for making the event a memorable success. Suchetak Rangmanch reaffirmed its commitment to presenting high-quality theatrical productions that entertain audiences while delivering meaningful social messages.

सामाजिक प्रेरणा और सांस्कृतिक जागरूकता की शक्ति है रंगमंचय डॉ. जोरा सिंह

सुचेतक रंगमंच ने प्रसिद्ध नाटककार सी. टी. खानोलकर की चर्चित कृति पर आधारित पंजाबी नाटक 'वक्त तैनूं सलाम है' का सफल मंचन टैगोर थिएटर, चंडीगढ़ में किया।

इस सांस्कृतिक संध्या में देश भगत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह तथा प्रोकुलाधिपति डॉ. तजिंदर कौर ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर पंजाब राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री बालमुकंद शर्मा तथा श्री गौरव सोनी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा में वृद्धि की। उन्होंने सार्थक रंगमंच को प्रोत्साहित करने तथा पंजाबी रंगकला की समृद्ध परंपरा के संरक्षण हेतु सुचेतक रंगमंच के प्रयासों की सराहना की।

निर्देशक अनीता शबदीश के कुशल निर्देशन तथा शबदीश द्वारा किए गए पंजाबी रूपांतरण ने नाटक को अत्यंत प्रभावशाली बना दिया। अपनी सशक्त कथा, उत्कृष्ट अभिनय और गहन सामाजिक संदेश के माध्यम से इस प्रस्तुति ने दर्शकों को अंत तक बाँधे रखा। रंगकर्मियों, कला–प्रेमियों तथा उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने नाटक की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

दर्शकों को संबोधित करते हुए डॉ. जोरा सिंह ने समाज को जागरूक एवं प्रेरित करने तथा सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ बनाने के लिए नाट्य माध्यम का प्रभावी उपयोग करने पर रंगमंच दल की भूरि–भूरि प्रशंसा की। डॉ. तजिंदर कौर ने संपूर्ण ग्रुप को सामाजिक सरोकारों से जुड़े इस उत्कृष्ट नाट्य–प्रयोग के लिए बधाई देते हुए कहा कि रंगमंच शिक्षा, संवेदनशीलता और कलात्मक अभिव्यक्ति का अत्यंत सशक्त माध्यम है, जिसके संरक्षण और संवर्धन के लिए सभी को सहयोग देना चाहिए।

आयोजकों ने मुख्य अतिथियों, आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों, मीडिया प्रतिनिधियों, सहयोगियों तथा उपस्थित दर्शकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह आयोजन अविस्मरणीय सफलता प्राप्त कर सका। सुचेतक रंगमंच ने भविष्य में भी उच्चस्तरीय नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से मनोरंजन के साथ–साथ समाज को सार्थक संदेश देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972
NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

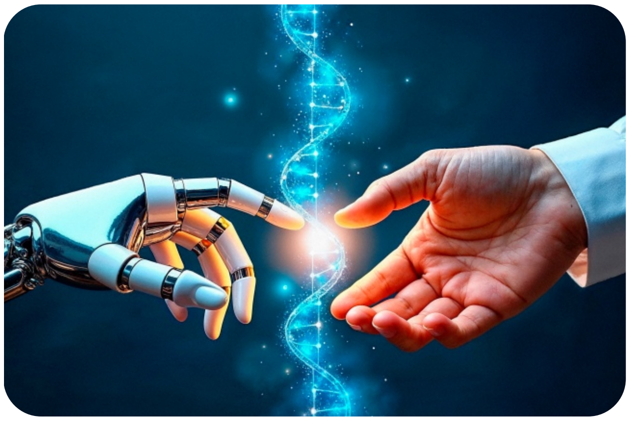

DBU School of Pharmacy Concludes Five-Day National FDP on AI and Advanced Therapeutics

The School of Pharmacy, Desh Bhagat University (DBU) successfully organized a Five-Day Online Faculty Development Programme (FDP) on the theme "Transforming Pharmaceutical Sciences through Innovation, Artificial Intelligence and Advanced Therapeutics".

The programme was designed to strengthen the academic and research capabilities of faculty members by providing insights into emerging trends in pharmaceutical sciences, artificial intelligence (AI), nanotechnology, precision medicine, advanced therapeutics, and innovative teaching methodologies.

The FDP commenced with a welcome address by Dr. Puja Gulati, Principal/Director, School of Pharmacy, D B U, who warmly welcomed Hon'ble Chancellor Dr. Zora Singh, distinguished resource persons, faculty members from Desh Bhagat University and other institutions, and participants from across the country.

In his message, Dr. Zora Singh, DBU Chancellor, emphasized that artificial intelligence and advanced technologies are revolutionizing healthcare and pharmaceutical sciences. He encouraged educators and researchers to embrace innovation and continuously upgrade their knowledge to prepare future healthcare professionals for global challenges.

The programme featured a distinguished panel of experts, including Mr. Vipan Sharma, Pharma Expert and GMP Specialist; Dr. Gurpreet Kaur, Professor and Dean, Faculty of Medicine, and Former Head & Director, Centre for Product Development through Novel Technology Intervention; Dr. Anjana Bali, Assistant Professor, Department of Pharmacology, School of Health Sciences, Central University of Punjab, Bathinda; Dr. Rajesh Dey, Principal & Director, Camellia Institute of Engineering and Technology (MAKAUT) and Postdoctoral Fellow, IIUM Malaysia; and Dr. Kuldeep Singh, Senior Researcher, National Institute of Malaria Research (ICMR), New Delhi.

The expert sessions covered a wide range of contemporary topics, including Good Manufacturing Practices (GMP), Good Documentation Practices (GDP), AI-driven pharmaceutical research, artificial intelligence in drug discovery, machine learning applications, precision medicine, nanotechnology-based therapeutics, predictive modelling, AI-assisted neuropharmacology, and ligand-decorated nanostructured carrier systems for targeted antimalarial drug delivery.

The interactive sessions enabled participants to gain practical insights into quality management systems, AI-assisted drug development, innovative research methodologies, and advanced therapeutic technologies. The programme also encouraged interdisciplinary collaboration and meaningful discussions with leading experts from academia and research.

The valedictory session was addressed by Dr. Harsh Sadawarti, Vice-Chancellor, Desh Bhagat University, who congratulated the organizing team, resource persons, and participants for the successful completion of the FDP. He highlighted the importance of continuous faculty development and urged educators to integrate emerging technologies and research-driven approaches into pharmaceutical education to enhance academic excellence and innovation.

The programme concluded with a vote of thanks, reaffirming Desh Bhagat University's commitment to promoting quality education, cutting-edge research, and professional development through academic initiatives that prepare faculty members to meet the evolving demands of the pharmaceutical and healthcare sectors.

डीबीयू स्कूल ऑफ फार्मेसी द्वारा एआई एवं उन्नत चिकित्सीय प्रौद्योगिकियों पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय एफडीपी का सफल समापन

देश भगत विश्वविद्यालय (डीबीयू) के स्कूल ऑफ फार्मेसी द्वारा ''नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं उन्नत चिकित्सीय प्रौद्योगिकियों के माध्यम से औषधि विज्ञान का रूपांतरण'' विषय पर आयोजित पांच दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (Faculty Development Programme & FDP) का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

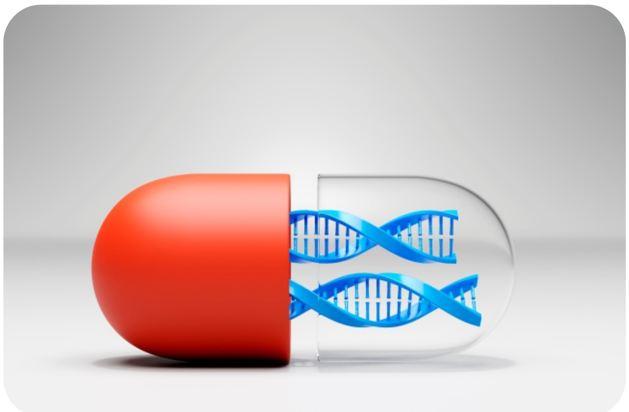

इस कार्यक्रम का उद्देश्य संकाय सदस्यों की शैक्षणिक एवं अनुसंधान क्षमताओं को सुदृढ़ करना तथा उन्हें औषधि विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), नैनो प्रौद्योगिकी, सटीक चिकित्सा (प्रिसिजन मेडिसिन), उन्नत चिकित्सीय तकनीकों एवं नवीन शिक्षण पद्धतियों के उभरते आयामों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. पूजा गुलाटी, प्राचार्य एवं निदेशक, स्कूल ऑफ फार्मेसी, देश भगत विश्वविद्यालय के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह, विशिष्ट विषय विशेषज्ञों, देश भगत विश्वविद्यालय तथा अन्य संस्थानों के संकाय सदस्यों एवं देशभर से जुड़े प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया।

अपने संदेश में डॉ. जोरा सिंह, कुलाधिपति, ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं उन्नत प्रौद्योगिकियां स्वास्थ्य सेवाओं और औषधि विज्ञान के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही हैं। उन्होंने शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं को नवाचार को अपनाने तथा अपने ज्ञान को निरंतर अद्यतन रखने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे भविष्य के स्वास्थ्य विशेषज्ञों को वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार कर सकें।

कार्यक्रम में प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान दिए, जिनमें श्री विपन शर्मा, फार्मा विशेषज्ञ एवं जीएमपी विशेषज्ञय डॉ. गुरप्रीत कौर, प्रोफेसर एवं डीन, चिकित्सा संकाय तथा पूर्व विभागाध्यक्ष एवं निदेशक, सेंटर फॉर प्रोडक्ट डेवलपमेंट थ्रू नोवेल टेक्नोलॉजी इंटरवेंशनय डॉ. अंजना बाली, सहायक प्रोफेसर, औषधि विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज, केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब, बठिंडाय डॉ. राजेश डे, प्राचार्य एवं निदेशक, कैमेलिया इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (माकाउट) तथा पोस्टडॉक्टोरल फेलो, आईआईयूएम, मलेशियाय तथा डॉ. कुलदीप सिंह, वरिष्ठ शोधकर्ता, राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर), नई दिल्ली शामिल रहे।

विशेषज्ञों ने गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज (जीएमपी), गुड डॉक्यूमेंटेशन प्रैक्टिसेज (जीडीपी), कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित औषधीय अनुसंधान, औषधि खोज में एआई की भूमिका, मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग, प्रिसिजन मेडिसिन, नैनो प्रौद्योगिकी आधारित उपचार, प्रेडिक्टिव मॉडलिंग, एआई–सहायित न्यूरोफार्माकोलॉजी तथा लक्षित मलेरिया रोधी औषधि वितरण हेतु लिगैंड–सज्जित नैनोस्ट्रक्चर्ड कैरियर प्रणालियों जैसे समकालीन विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित संवादात्मक सत्रों में प्रतिभागियों ने गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली, एआई–सहायित औषधि विकास, नवीन अनुसंधान पद्धतियों एवं उन्नत चिकित्सीय तकनीकों के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। साथ ही, कार्यक्रम ने विभिन्न विषयों के बीच सहयोग तथा शिक्षाविदों एवं शोध विशेषज्ञों के साथ सार्थक विचार–विमर्श को भी प्रोत्साहित किया।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. हर्ष सदावर्ती, कुलपति, देश भगत विश्वविद्यालय ने आयोजन समिति, विशेषज्ञ वक्ताओं एवं प्रतिभागियों को कार्यक्रम की सफल पूर्णता पर बधाई दी। उन्होंने सतत संकाय विकास के महत्व पर बल देते हुए शिक्षकों से आग्रह किया कि वे उभरती प्रौद्योगिकियों एवं अनुसंधान–आधारित दृष्टिकोणों को औषधि शिक्षा में समाहित करें, जिससे शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं नवाचार को बढ़ावा मिल सके।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर देश भगत विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अत्याधुनिक अनुसंधान एवं व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने तथा ऐसी शैक्षणिक पहलों के माध्यम से संकाय सदस्यों को औषधि एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972
NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

Foreign Minister Appreciates Desh Bhagat University Americas' Investment and Educational Support

The Honourable Dwight Fitzgerald Bramble, Minister of Foreign Affairs, Foreign Trade, Foreign Investment and Diaspora Affairs of Saint Vincent and the Grenadines, received Dr. Zora Singh, Chancellor of Desh Bhagat University Americas, at the Ministry's headquarters.

The meeting provided a platform for cordial and constructive discussions on matters of mutual interest. During the interaction, Minister Bramble expressed his appreciation for Desh Bhagat University Americas' investment in Saint Vincent and the Grenadines and commended the University for its commitment to supporting the nation's educational development.

Also present at the meeting were Permanent Secretary Mrs. Sandy Peters-Phillips; Director of Foreign Policy Ms. Charmane Tappin-John; Pro-Chancellor of Desh Bhagat University Americas, Dr. Tajinder Kaur; Operations Director Mr. Arun Malik; and Local Operations Director Ms. Kim Halbich.

The Ministry expressed its gratitude for its partnership with Desh Bhagat University Americas and reaffirmed its commitment to continued cooperation and collaboration in advancing educational opportunities and initiatives for the benefit of the people of Saint Vincent and the Grenadines.

विदेश मंत्री ने देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिका के निवेश एवं शैक्षिक सहयोग की सराहना की

सेंट विंसेंट एवं ग्रेनेडाइंस के विदेश मामलों, विदेश व्यापार, विदेशी निवेश एवं प्रवासी मामलों के माननीय मंत्री श्री ड्वाइट फिट्जगेराल्ड ब्रैम्बल ने विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिका के चांसलर डॉ. जोरा सिंह का स्वागत किया।

इस बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच आपसी हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर सौहार्दपूर्ण एवं रचनात्मक चर्चा हुई। बातचीत के दौरान मंत्री ब्रैम्बल ने सेंट विंसेंट एवं ग्रेनेडाइंस में देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिका द्वारा किए गए निवेश की सराहना की तथा देश के शैक्षिक विकास में विश्वविद्यालय द्वारा दिए जा रहे योगदान और सहयोग की प्रशंसा की।

बैठक में स्थायी सचिव श्रीमती सैंडी पीटर्स–फिलिप्स, विदेश नीति निदेशक सुश्री चार्मेन टैपिन–जॉन, देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिका की प्रो–चांसलर डॉ. तजिंदर कौर, ऑपरेशंस डायरेक्टर श्री अरुण मलिक तथा स्थानीय संचालन निदेशक सुश्री किम हैलबिच भी उपस्थित रहे।

विदेश मंत्रालय ने देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी के लिए आभार व्यक्त किया और सेंट विंसेंट एवं ग्रेनेडाइंस के नागरिकों के हित में शिक्षा के क्षेत्र में अवसरों एवं नई पहलों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर सहयोग और समन्वय बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

Desh Bhagat University Empowers Researchers with Hands-on Workshop on Scientific Writing and Journal Publishing

Reinforcing its commitment to promoting quality research and academic excellence, the Faculty of Nursing, Desh Bhagat University, in collaboration with the Research and Development Cell and the Institution's Innovation Council (IIC), successfully organized a workshop on "Research Paper Writing and Journal Publication Support." The workshop was aimed at enhancing the research, scientific writing, and publication skills of faculty members, researchers, and students.

The workshop was conducted by Prof. (Dr.) Lovesampurnjot Kaur, Principal, Faculty of Nursing, who served as the resource person. She delivered a comprehensive session covering the essentials of research paper writing, including identifying relevant research topics, structuring manuscripts, drafting effective abstracts, preparing references, and maintaining academic integrity.

Principal also guided participants on selecting reputed journals, identifying and avoiding predatory journals, responding effectively to reviewers' comments, and adopting strategies to improve the chances of successful publication in quality indexed journals.

The interactive session provided valuable insights into manuscript preparation, ethical practices in research publication, plagiarism prevention, and the significance of publishing evidence-based research. Participants actively engaged in discussions and gained practical knowledge to strengthen their research capabilities and scholarly contributions.

The workshop concluded with an interactive question-and-answer session, where participants sought clarification on manuscript submission, publication procedures, and journal selection. The programme received an enthusiastic response and motivated attendees to pursue impactful research and high-quality academic publications.

Dr. Zora Singh, Chancellor; Dr. Tajinder Kaur, Pro-Chancellor; and Dr. Harsh Sadawarti, Vice-Chancellor of Desh Bhagat University, appreciated the Faculty of Nursing for organizing the timely and informative workshop. They emphasized that such initiatives play a vital role in nurturing a vibrant research culture and inspiring innovation across disciplines.

Organized under the guidance of the university administration, the workshop reflected Desh Bhagat University's continued dedication to fostering research excellence, innovation, and academic leadership through collaborative learning initiatives.

देश भगत विश्वविद्यालय ने वैज्ञानिक लेखन एवं शोध-पत्र प्रकाशन पर व्यावहारिक कार्यशाला के माध्यम से शोधकर्ताओं को किया सशक्त

गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए देश भगत विश्वविद्यालय के नर्सिंग संकाय ने अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा संस्थान नवाचार परिषद (आईआईसी) के सहयोग से "शोध–पत्र लेखन एवं जर्नल प्रकाशन सहयोग" विषय पर एक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य संकाय सदस्यों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के अनुसंधान, वैज्ञानिक लेखन तथा शोध–पत्र प्रकाशन संबंधी कौशल का संवर्धन करना था।

कार्यशाला का संचालन नर्सिंग संकाय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) लवसम्पूर्णजोत कौर ने संसाधन विशेषज्ञ के रूप में किया। उन्होंने शोध–पत्र लेखन की मूलभूत एवं आवश्यक प्रक्रियाओं पर विस्तृत व्याख्यान दिया, जिसमें उपयुक्त शोध–विषय का चयन, शोध–पांडुलिपि का सुव्यवस्थित प्रारूप, प्रभावी सारांश (एब्स्ट्रैक्ट) का लेखन, संदर्भ सूची का समुचित निर्माण तथा शैक्षणिक सत्यनिष्ठा बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण विषय सम्मिलित थे।

प्राचार्या ने प्रतिभागियों को प्रतिष्ठित शोध–पत्रिकाओं के चयन, भ्रामक (प्रिडेटरी) जर्नलों की पहचान एवं उनसे बचाव, समीक्षकों की टिप्पणियों का प्रभावी उत्तर देने तथा उच्च गुणवत्ता वाली अनुक्रमित (इंडेक्स्ड) शोध–पत्रिकाओं में प्रकाशन की संभावना बढ़ाने हेतु आवश्यक रणनीतियों के संबंध में भी मार्गदर्शन प्रदान किया।

संवादात्मक सत्र के दौरान प्रतिभागियों को शोध–पांडुलिपि की तैयारी, अनुसंधान प्रकाशन में नैतिक मानकों के पालन, साहित्यिक चोरी (प्लेजरिज़्म) की रोकथाम तथा साक्ष्य–आधारित अनुसंधान के प्रकाशन के महत्व पर उपयोगी एवं व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई। प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विचार–विमर्श किया तथा अपने अनुसंधान कौशल एवं शैक्षणिक योगदान को सुदृढ़ बनाने हेतु व्यवहारिक ज्ञान अर्जित किया।

कार्यशाला का समापन प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने शोध–पांडुलिपि प्रस्तुत करने की प्रक्रिया, प्रकाशन संबंधी औपचारिकताओं तथा उपयुक्त जर्नल के चयन से जुड़े विभिन्न प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए। कार्यक्रम को प्रतिभागियों की ओर से उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला तथा इसने उन्हें प्रभावशाली अनुसंधान एवं उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक प्रकाशनों की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

देश भगत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह, प्रो–कुलाधिपति डॉ. तजिंदर कौर तथा कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती ने नर्सिंग संकाय द्वारा आयोजित इस समयानुकूल एवं ज्ञानवर्धक कार्यशाला की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहलें सशक्त अनुसंधान संस्कृति के विकास तथा विभिन्न विषयों में नवाचार को प्रोत्साहित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन के मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यशाला सहयोगात्मक अधिगम के माध्यम से अनुसंधान उत्कृष्टता, नवाचार एवं शैक्षणिक नेतृत्व को प्रोत्साहित करने के प्रति देश भगत विश्वविद्यालय की सतत प्रतिबद्धता का सशक्त परिचायक रही।

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972
NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

DBU Brings 10,000+ Job Opportunities to Kashmir at Historic 77th State-Level Mega Job Fair

In one of the largest employment drives ever organised in Jammu & Kashmir, Desh Bhagat University (DBU), in collaboration with Cluster University Srinagar, National Institute of Electronics & Information Technology (NIELIT), Srinagar, and the Nations Development Association (NDA), successfully organised the 77th State-Level Mega Job Fair 2026 at Amar Singh College, Srinagar, creating more than 10,000 employment opportunities for the youth of the region.

The Mega Job Fair was inaugurated by Hon'ble Lieutenant Governor of Jammu & Kashmir, Shri Manoj Sinha, as the Chief Guest, reaffirming the government's commitment to youth empowerment, skill development and employment generation. The valedictory session was graced by Hon'ble Chief Minister of Jammu & Kashmir, Janab Omar Abdullah. Also present were Ms Sakeena Itoo education minister J and K, Dr. Sandeep Singh, President, Desh Bhagat University; Prof. Mohammad Mobin, Vice Chancellor, Cluster University Srinagar; and Prof. K. S. Chandrashekhar, Vice Chancellor, Cluster University Jammu.

On the occasion, Lieutenant Governor Shri Manoj Sinha lauded Desh Bhagat University for bringing such a large-scale employment initiative to Kashmir, describing it as a significant step towards empowering the youth through meaningful career opportunities. Chief Minister Janab Omar Abdullah also appreciated the University's efforts in connecting the talented youth of Jammu & Kashmir with leading employers from across the country.

According to Ms. Pooja Kathuria, Assistant Director Placement cell DBU the Mega Job Fair marked a significant milestone in university-industry collaboration by taking employment opportunities directly to the doorsteps of Kashmiri youth. She said that by going beyond its traditional role of imparting education, Desh Bhagat University has demonstrated its commitment to enhancing employability and building sustainable career pathways for students and job seekers.

More than 50 leading national and multinational companies participated in the fair, offering over 10,000 vacancies across diverse sectors, including Banking, Information Technology, Healthcare, Manufacturing, Retail, Insurance, Hospitality, Telecommunications, Education, Pharmaceuticals, Consulting, Electric Vehicles, E-commerce, and Overseas Recruitment.

The highest salary package offered during the event reached Rs. 12 lakh per annum, while several organisations presented attractive compensation packages and long-term career prospects for graduates, postgraduates, diploma holders, ITI candidates, engineers, nursing professionals and skilled youth.

Addressing the media, Dr. Sandeep Singh, President, Desh Bhagat University, said, "For more than three decades, Desh Bhagat University has shared a deep and enduring bond with Jammu & Kashmir. Thousands of students from the Valley have pursued their education at our University and today serve as doctors, engineers, academicians, entrepreneurs, civil servants and corporate professionals across India and abroad. For many families in Kashmir, Desh Bhagat University is not merely an educational institution—it is a second home."

He further stated, "This Mega Job Fair reflects our commitment to the aspirations of the youth of Jammu & Kashmir. Rather than asking students to travel across the country in search of employment, we have brought leading employers to their doorstep. This initiative embodies our vision of inclusive growth, stronger industry-academia partnerships and sustainable employment generation."

Dr. Sandeep Singh also informed that the Mega Job Fair was organised under the University's Corporate Social Responsibility (CSR) initiatives to strengthen the employment ecosystem and create meaningful opportunities for the youth of Jammu & Kashmir.

डीबीयू ने 77वें राज्य स्तरीय मेगा रोजगार मेले के माध्यम से कश्मीर में 10,000 से अधिक रोजगार अवसर उपलब्ध कराए

जम्मू–कश्मीर में अब तक आयोजित सबसे बड़े रोजगार अभियानों में से एक के अंतर्गत देश भगत विश्वविद्यालय (डीबीयू) ने क्लस्टर विश्वविद्यालय श्रीनगर, राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट), श्रीनगर तथा नेशंस डेवलपमेंट एसोसिएशन (एनडीए) के सहयोग से अमर सिंह महाविद्यालय, श्रीनगर में 77वें राज्य स्तरीय मेगा रोजगार मेलेदृ2026 का सफल आयोजन किया। इस आयोजन के माध्यम से क्षेत्र के युवाओं के लिए 10,000 से अधिक रोजगार अवसर सृजित किए गए।

मेगा रोजगार मेले का उद्घाटन जम्मू–कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। उन्होंने युवाओं के सशक्तिकरण, कौशल विकास तथा रोजगार सृजन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित किया। समापन समारोह में जम्मू–कश्मीर के माननीय मुख्यमंत्री जनाब उमर अब्दुल्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जम्मू और कश्मीर की शिक्षा मंत्री सुश्री सकीना इटू, देश भगत विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. संदीप सिंह, क्लस्टर विश्वविद्यालय श्रीनगर के कुलपति प्रो. मोहम्मद मोबीन तथा क्लस्टर विश्वविद्यालय जम्मू के कुलपति प्रो. के. एस. चंद्रशेखर भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने कश्मीर में इतने व्यापक स्तर पर रोजगार अभियान आयोजित करने के लिए देश भगत विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए इसे युवाओं को सार्थक रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। मुख्यमंत्री जनाब उमर अब्दुल्ला ने भी विश्वविद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे जम्मू–कश्मीर के प्रतिभाशाली युवाओं को देश की अग्रणी कंपनियों से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है।

सहायक निदेशक, प्लेसमेंट सेल, डीबीयू सुश्री पूजा कथूरिया के अनुसार, यह मेगा रोजगार मेला विश्वविद्यालय और उद्योग जगत के बीच सहयोग का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हुआ है, क्योंकि इसके माध्यम से रोजगार के अवसर सीधे कश्मीरी युवाओं तक पहुँचाए गए। उन्होंने कहा कि केवल शिक्षा प्रदान करने तक सीमित न रहकर देश भगत विश्वविद्यालय ने युवाओं की रोजगार–योग्यता बढ़ाने तथा उनके लिए स्थायी आजीविका के मार्ग प्रशस्त करने की अपनी प्रतिबद्धता को प्रमाणित किया है।

इस रोजगार मेले में देश की 50 से अधिक अग्रणी राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भाग लिया तथा बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवाएँ, विनिर्माण, खुदरा व्यापार, बीमा, आतिथ्य, दूरसंचार, शिक्षा, औषधि निर्माण, परामर्श सेवाएँ, विद्युत वाहन, ई–कॉमर्स तथा विदेश रोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में 10,000 से अधिक रिक्त पदों की पेशकश की।

इस आयोजन के दौरान अधिकतम वार्षिक वेतन पैकेज रू12 लाख तक रहा। इसके अतिरिक्त अनेक संस्थानों ने स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा धारकों, आईटीआई प्रशिक्षित युवाओं, अभियंताओं, नर्सिंग पेशेवरों तथा कुशल युवाओं के लिए आकर्षक वेतनमान और दीर्घकालिक कैरियर अवसर प्रदान किए।

मीडिया को संबोधित करते हुए देश भगत विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. संदीप सिंह ने कहा, "पिछले तीन दशकों से अधिक समय से देश भगत विश्वविद्यालय का जम्मू–कश्मीर के साथ गहरा और आत्मीय संबंध रहा है। कश्मीर घाटी के हजारों विद्यार्थियों ने हमारे विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की है और आज वे देश–विदेश में चिकित्सक, अभियंता, शिक्षाविद्, उद्यमी, लोकसेवक तथा कॉर्पोरेट क्षेत्र के प्रतिष्ठित पेशेवर के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। कश्मीर के अनेक परिवारों के लिए देश भगत विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि उनका दूसरा घर है।"

उन्होंने आगे कहा, "यह मेगा रोजगार मेला जम्मू–कश्मीर के युवाओं की आकांक्षाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। रोजगार की तलाश में विद्यार्थियों को देशभर में भटकने के बजाय हमने देश की अग्रणी कंपनियों को उनके द्वार तक पहुँचाया है। यह पहल समावेशी विकास, उद्योग–शिक्षा सहयोग को सुदृढ़ बनाने तथा स्थायी रोजगार सृजन की हमारी सोच को साकार करती है।"

डॉ. संदीप सिंह ने यह भी बताया कि यह मेगा रोजगार मेला विश्वविद्यालय की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य जम्मू–कश्मीर के युवाओं के लिए रोजगार व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा उन्हें सार्थक रोजगार अवसर उपलब्ध कराना है।